a2zpapers.com

Exam. Code : 216303
Subject Code : 6474

M.A. (Hindi) 3rd Semester

SURDAS

Paper—XV Opt. (i)

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

नोट :— यह प्रश्न-पत्र **दो** भागों में विभाजित है। निर्देशानुसार ही उत्तर दें।

भाग—क

नोट :— यह भाग **दो** उपभागों में विभाजित है।

उपभाग—अ

निम्नलिखित में से किन्हीं चार की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 4×6=24

1. जैसें तुम गज कौ पाउँ छुड़ायौ।
अपने जन कौं दुखित जानि कै पाउँ पियादे धायौ।
जहँ जहँ गाढ़ परी भक्तिन कौं तहँ तहँ आपु जनायौ।
भक्ति हेत प्रहलाद उबार्‌यौ, द्रौपदि-चीर बढ़ायौ।
प्रीति जानि हरि गए बिदुर कैं, नामदेव-घर छायौ।
सूरदास द्विज दीन सुदामा, तिहिं दारिद्र नसायौ।।

2. काहु के कुल तनन विचारत।
अविगत की गति कहि न परति है, व्याध अजामिल तारत।
कौन जाति अरू पाँति बिदुर की, ताही कैं पग धारत।
भोजन करत माँगि घर उनकैं, राज मान-मद टारत।
ऐसे जनम-करम के ओछे, ओछिन हूँ ब्यौहारत।
यहै सुभाव सूर के प्रभु कौ, भक्त-बछल प्रन पारत।।

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
ad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab

a2zpapers.com

3. हरि किलकत जसुमति की कनियाँ।
मुख मैं तीनि लोक दिखराए, चक्ति भई नँद-रनियाँ।
घर-घर हाथ दिखावति डोलति, बांधति गरैं बघनियाँ।
सूर स्याम की अद्‌भुत लीला नहिं जानत मुनिजनियाँ।।

4. मेरे दुख कौ ओर नहीं।
षट रितु सीत उष्न बरषा मैं, ठाढ़े पाइ रही।
कसकी नहीं नैकहूँ काटत, घामैं राखी डारि।
अगिनि सुलाक देत नहिं मुरकी, बेह बनावत जारि।
तुम जानति मोहिं बाँस बँसुरिया, अगिनि छाप दै आई
सूर स्याम ऐसैं तुम लेहु न, खिझति कहाँ हौ माई।।

5. हौं संग साँवरे के जैहौं।
होनी होइ होइ सो अबहीं, जस अपजस काहूँन डरैहौं।
कहा रिसाइ करे कोउ मेरौ, कछु जो कहै प्रान तिहिं दैहौं
देहौ त्यागि राखिहौं यह ब्रत, हरि-रति बीज बहुरि कब बैहौं।
का यह सूर अचिर अवनी, तनुतजि अकास पिय-भवन समैहौं।
का यह ब्रज-बापी क्रीड़ा जल, भजि नंद-नंद सबै सुख लैहौं।।

6. हमारैं हरि हारिल की लकरी।
मनक्रम बमन नंद-नंदन उर, यह दृढ़ करि पकरी।
जागत सोवत स्वप्न दिवस-निसि, कान्ह-कान्ह जकरी।
सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यौं करुई ककरी।
सु तौ ब्याधि हमकौं लै आए, देखी सुनी न करी।
यह तौ सूर तिनहिं ले सौंपौ, जिनके मन चकरी।।

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
ad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab

a2zpapers.com

उपभाग—आ

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए। 4×6=24

1. सूरदास के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।
2. सूरकाव्य में लोक-संस्कृति को स्पष्ट करें।
3. सूरदास के काव्य में बाल-लीलाओं का वर्णन करें।
4. कृष्ण-भक्ति विषय पर विचार करें।
5. मध्ययुगीन भक्ति आंदोलन को स्पष्ट करें।
6. सूरकाव्य में प्रकृति चित्रण पर प्रकाश डालें।

भाग-ख

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर दीजिए :— 2×16=32

1. सूरकाव्य में गोकुल लीला का चित्रण करें।
2. कृष्ण भक्ति काव्य धारा की प्रवृत्तियों को स्पष्ट करें।
3. सूरकाव्य में वात्सल्य वर्णन करें।

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
ad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab